# घरेलू पशुओं में टीकाकरण द्वारा संक्रामक रोगों से बचाव

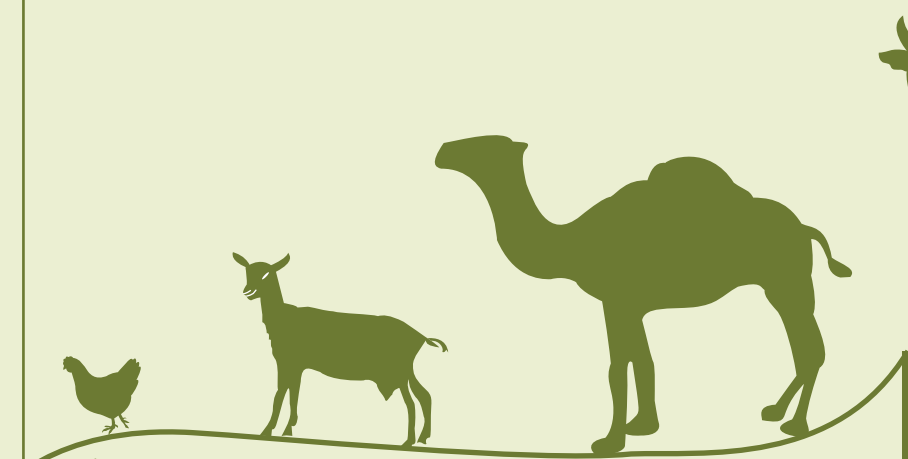

KRISHI VASANT

Central Institute of Cotton Research, Nagpur

9–13 February, 2014

# पशु पालन

# घरेलू पशुओं में टीकाकरण द्वारा संक्रामक रोगों से बचाव

- घरेलू पशुओं में संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए टीकाकरण सर्वोत्तम विधि मानी जाती है।
- वैक्सीन टीके पशुओं के शरीर में प्रभावी त्रिदोषन या कोशिका मध्यस्ता प्रतिरक्षा को विकसित कर पशुओं की विभिन्न रोगों से सुरक्षा प्रदान करने में मदद करती हैं।
- वैक्सीन पशुओं के शरीर पर कोई दुष्प्रभाव नहीं डालती है।
- टीकाकरण कार्यक्रम का कड़ाई से अनुपालन हमारे पशुओं को स्वस्थ एवं अधिक उत्पादनशील बनाएं रखने में हमारी मदद करता है।

## पशुओं के टीकाकरण से पहले क्या करें ?

- पशुओं को कृमिनाशक औषेधियों द्वारा कृमि मुक्त करें
- टीकाकरण के दो सप्ताह बाद तक पशुओं को तनाव मुक्त रखें एवं रोगी पशु के संम्पर्क से बचायें

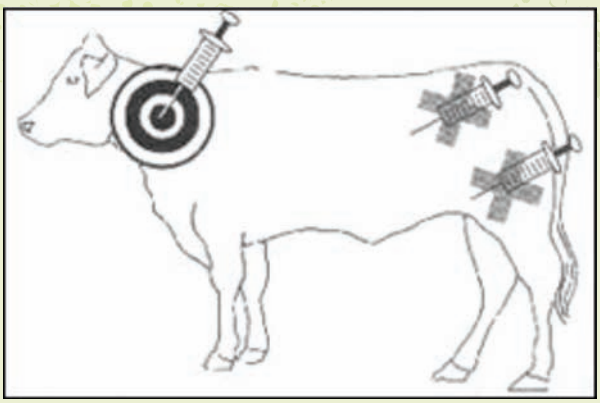

## पशुओं के टीकाकरण के दौरान क्या न करें

- रोगी दुर्बल एवं वृद्ध पशुओं का टीकाकरण न करें
- टीकाकरण के बाद दो सप्ताह तक पशुओं के उपचार हेतु एन्टीबॉयोटिक सल्फा औषधियों, कृमिनाषक और प्रतिरक्षा दमनक दवाओं का प्रयोग न करें।

### पालतू पशुओं में संक्रामक रोगों से बचाव के लिए टीकाकरण सारणीः

| बीमारी | वैक्सीन | खुराक | कैसे लगायी जाए | वैक्सीन लगाने का समय |
|---|---|---|---|---|
| गलघोटूँ गाय, भैंस, भेड़, बकरी एवं सूकर | फिटकरी सांद्रित | पांच मिली. | खाल के नीचे | प्रथम बार छः महीने की उम्र में, तत्पश्चात् छः महीने के बाद |
| | तेल गुण वर्धक | तीन मिली. | माँस के गहरे अन्दर | प्रथम बार छः महीने की उम्र में, तत्पश्चात हर् नौ महीने के बाद |

| बीमारी | वैक्सीन | खुराक | कैसे लगायी जाए | वैक्सीन लगाने का समय |
|---|---|---|---|---|
| खुरपका–मुँहपका रोग<br>गाय, भैस, भेड़, बकरी, सूकर, याक एवं मिथून | एल्युमिनियम हाइड्राक्साइड जैल अवशोषित खुरपका मुंहपका वैक्सीन | दो मिली. | खाल के नीचे | प्रथम बार तीन महीने की उम्र में तत्पश्चात् नौ महीने की उम्र में बूस्टर खुराक, उसके बाद हर छः महीने पर |
| | तेल गुणवर्धक खुरपका मुंहपका वैक्सीन | दो मिली | गहरे माँस के अन्दर | बूस्टर नौ महीने के बाद |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ब्रूसीलोसिस गाय, भैस, भेड़, बकरी, सूकर एवं कुत्ता प्रजाति | ब्रूसेला अर्बोटिस | दो मिली | खाल के नीचे | चार से छः महीने के की मादा पशुओं में |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| लंगड़ा बुखार गाय, एवं भैस | लंगड़िया बुखार जीवाणु टीका | पाँच मिली | खाल के नीचे | बर्शा ऋतु के प्रारम्भ होने से पूर्व वर्ष में एक बार |

| बीमारी | वैक्सीन | खुराक | कैसे लगायी जाए | वैक्सीन लगाने का समय |
|---|---|---|---|---|
| गिल्टीरोग<br>गाय, भैस, भेड़, बकरी एवं सूकर | ऐंथ्रेक्स बीजाणु टीका | एक मिली. | खाल के नीचे | वर्षा ऋतु के प्रारम्भ होने से पूर्व<br>वर्ष में एक बार |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| भेड़ चेचक (भेड़) | भेड़ चेचक तनु टीका | एक मिली. | खाल के नीचे | तीन महीने की उम्र होने पर |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ऐन्टोरोटाक्सीमिया<br>भेड़ एवं बकरी | ऐन्टोरोटाक्सी मिया वैक्सीन | 2.5 मिली | खाल के नीचे | तीन महीने की उम्र होने पर तथा चौदह दिनों बाद बूस्टर टीका,तत्पश्चात गर्मी ऋतु शुरू होने से पूर्व बार्षिक टीकाकरण |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| पी. पी. आर.<br>बकरी एवं भेड़ | पीपीआर तनु टीका | एक मिली | खाल के नीचे |   |

| बीमारी | टीका | खुराक | कैसे लगाये | टीकाकरण की उम्र |
|---|---|---|---|---|
| धनुस्तंभ (सभी पालतू पशु प्रजातियों में) | टिटनेस टॉक्साइड | एक मिली. | माँस के अन्दर | पहली खुराक के चार छः सप्ताह बाद बूस्टर टीका तत्पश्चात वार्षिक टीकाकरण |
| घोड़ा प्रजाति में गर्भपात | साल्मोनेला अबोर्टस इक्वाई टीका | 10–15 मिली. | गहरे मांस के अन्दर | दो–चार सप्ताह के अन्तराल में दो बार टीकाकरण तत्पश्चात् वार्षिक टीकाकरण |
| घोड़ा प्रजाति में गर्भपातशूकर ज्वर शूकर प्रजाति | लैपिनाइज्ड शूकर ज्वर टीका | एक मिली. | खाल के नीचे | तीन महीने से अधिक उम्र के सभी शूकरों का वार्षिक टीकाकरण |

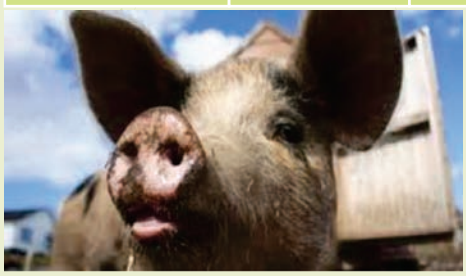

## मुर्गीयों के लिए टीकाकरण सारणीः–

### ब्रायलर मुर्गी के लिए

| बीमारी | टीका | आयु | कैसे दे |
|---|---|---|---|
| रानीखेत | एफ/बी–1 | 4 से 6 दिन पर | आँख–नाक में 1–1 बूंद या पीने के पानी में |

| | | | |
|---|---|---|---|
| गंबोरो | स्टैडर्ड/जीओरजिया इण्टरमिडीयट पल्स या एम बी | 12–14 दिन | आँख–नाक में 1–1 बूंद या पीने के पानी में |

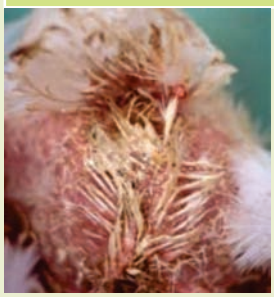

### अण्डे देने वाली मुर्गियों एवं ब्रीडर मुर्गियों के लिए टीकाकरण सारणीः–

| | | | |
|---|---|---|---|
| मैरेक्स बीमारी (एम डी) | एच. वी.टी. | 1 दिन | 0.1 मि.ली. चमड़ी के नीचे |

| बीमारी | टीका | आयु | कैसे दे |
|---|---|---|---|
| रानीखेत | एफ/बी–1<br>आर 2 बी या आर डी कील्ड वैक्सीन | 1 दिन<br>4–6 दिन<br>60 दिन | 0.1 मि.ली. चमड़ी के नीचे<br>आंख–नाक में 1–1 बूंद या पीने के पानी में<br>0.25.–0.5मि.ली.चमड़ी के नीचे |

| | | | |
|---|---|---|---|
| गंबोरो | स्टैंडर्ड/जी ओरजीया या इण्टरमिडियट प्लस | 15–16 दिन | आँख–नाक में 1–1 बूंद या पीने के पानी में |

| | | | |
|---|---|---|---|
| आई बी | आई बी | 21 दिन | 2–2 बूंद पीने के पानी में |

| बीमारी | टीका | आयु | कैसे दे |
|---|---|---|---|
| फाउल पोक्स या माता रोग | माता का टीका | 42 दिन | 0.1 मि.ली पंख के नीचे या मांस में |
| | | | |
| गंबोरो, रानीखेत एवं आई बी | कील्ड टीका (मल्टीकोम्पोनेंट) | 112 दिन | 0.5 मि.ली. चमड़ी के नीचे |

## टीकाकरण के फायदे

- टीकाकरण सक्रामंक रोगों से हमारे जानवरों की रक्षा करता है।
- टीकाकरण के द्वारा जूनोटिक बीमारियों का पशुओं से मनुष्यों में संक्रमण को रोका जा सकता है।
- टीकाकरण संक्रामक रोगों से जुड़ें उपचार की लागत को कमकर किसानों पर आर्थिक बोझ को कम करने मे मदद करता है

## टीकाकरण के दौरान सावधानियाँ

- वृद्ध, एवं उन्नत गर्भवती जानवरों के टीकाकरण नहीं किया जाना चाहिए।
- कम गुणवत्ता टीका या टीकें की कमी प्रतिजनी खुराक से परहेज करना चाहिये।
- वायरल तनु टीकें को बनाऐ रखने के लिए उचित कोल्ड चेन को बनाये रखना चाहिए।
- पशुओं के टीकाकरण से पहले पशुओं को कृमिनाशक दवाओं द्वारा उन्हे कृमि मुक्त बनाया जाना चाहिए।
- संक्रमित या रोग ग्रस्त पशुओं के टीकाकरण से परहेज करना चाहिए।
- टीकाकरण सारणी की सख्त अनुपालन टीकाकरण कार्यक्रम की सफलता के लिए अत्यंत आवश्यक है।

# KRISHI VASANT

लेखक

**चन्दन प्रकाश, अभिशेक, विशाल चन्द्र,**
**बबलू कुमार, पवन कुमार, विक्रमादित्य उपमन्यु,**
**सलाउद्दीन कुरैशी एवं ऋषेन्द्र वर्मा**

संगठन

**संयुक्त निदेशालय, प्रसार शिक्षा**
भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान
इज्जतनगर – 243 122, उ.प्र.



कृषि एवं सहकारिता विभाग
कृषि मंत्रालय
भारत सरकार